प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग (छ.ग.)

वार्षिक प्रतिवेदन

2014–15

मुख्य कार्यालय
क्वा.नं.231 पंचशील एकेडमी के पीछे मुक्तनगर, पद्यमनाभपुर
दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड– 491001
फोन नं.– 0788–4032365, 94251–62080
E-mail- pratigyadurg@rediffmail.com
pratigyalws@gmail.com
Website- www.pratigyango.org

शाखा कार्यालय

एम.आई.जी. डुप्लेक्स–18, पुराना पोष्ट ऑफिस लाईन इंडस्ट्रीयल एरिया हाउसिंग बोर्ड कालोनी भिलाई
दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड– 491001
फोन नं.– 94251–62080

अन्नपूर्णा पारा के सामने सरस्वती शिशु मंदिर के सामने शिव मंदिर कांकेर (छ.ग.)
फोन नं.– 07868–222790 मो. 9424286386

ग्राम –बांसपारा एकता नगर वार्ड नं. 30 निखिल कम्प्युटर के पास धमतरी
जिला धमतरी (छ.ग.) मो. 9229490207

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

An Introduction

संस्था के बारे में:– प्रतिज्ञा विकास संस्थान एक गैर राजनीतिक स्वयंसेवी संस्था है । संस्था अपने प्रारंभ काल से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। संस्था अपने उद्देश्यों और लक्ष्य के अनुरूप शासकीय/गैर शासकीय/राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्वयं सेवी संस्थाओं से सहयोग स्थापित कर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य किया गया है। संस्था समग्र विकास सभी समुदाय के लोगों को लेकर कार्य करती है। सभी जाति, वर्ग को अपने कार्यों में सहभागिता सुनिश्चित करती है। संस्था द्वारा विशेषकर जन जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल संवर्धन, कृषि उत्पादन, कौशल विकास, पशुधन विकास, आदिवासी विकास आदि कार्यक्रमों के साथ कार्य करती आ रही है । संस्था छत्तीसगढ़ सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1973 की धारा 44 के तहत पंजीकृत है । संस्था विदेशी अनुदान सहायता योजना (एफ. सी.आर.ए. के तहत भी पंजीकृत है।) संस्था का पेन नं. 12ए एवं 80जी है । संस्था का पंजीकृत कार्यालय दुर्ग जिले में एवं क्षेत्रीय कार्यालय जिला कांकेर, धमतरी, राजनांदगांव में स्थित है।

Vision & Mission

संस्था का लक्ष्य समाज से है समाज के अंदर पीड़ित, शोषित, वंचित, दबे–कुचले लोगों का सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास करना ताकि समाज का अंतिम व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके तथा समान स्वतंत्रता व सम्मान पूर्वक मानवीय जीवन जी सके।

संस्था अपने उद्देश्यों तथा विजन और मिशन के अनुरूप निम्न क्षेत्रों में कार्य कर रही है

Organization since its inception is working under the broad themes of:

• Health & Nutrition (स्वास्थ्य एवं पोषण)	• वालेन्टरी हेल्थ एसोशिएशन आफ इंडिया के सहयोग से मलेरिया उन्मुलन कार्यक्रम • अक्षय इंडिया परियोजना के अंतर्गत केयर छ.ग. के साथ टी.बी. उन्मुलन कार्यक्रम • मलिा एवं बाल विकास के साथ मिलकर महिला जागृति शिविर कुपोषण, महिलाओ के स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के साथ कार्य । • महिला बाल विकास के अंतर्गत नवाजतन परियोजना के अंतर्गत कुपोषित बच्चों को सामान्य स्तर पर लाने के लिए दुर्ग धमतरी एवं कांकेर में कार्य किया गया। • संस्था द्वारा कांकेर जिले में वालेन्ट्री एसोशिएशन ऑफ इंडिया द्वारा मलेरिय उन्मूलन का कार्य किया जा रहा है। साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। • छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से एच.आई.व्ही./एड्स के रोकथाम के लिए लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना माईग्रेन्ट एवं ट्रकर्स का संचालन । • छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से एच.आई.व्ही./एड्स के रोकथाम के लिए लिंकवर्कर स्कीम परियोजना का संचालन ।
• Micro Finance	• नाबार्ड रायपुर के सहयोग से धमतरी दुर्ग में समुहों का गठन प्रषिक्षण एवं बैंको से लिंकेज करने का कार्य किया गया । • स्वर्ण जंयती ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत जिला पंचायत धमतरी दुर्ग एवं

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

	कांकेर में समुहों का गठन संवर्धन एवं प्रषिक्षण। • एस.एच.जी. को बैंक लिंकेज एवं ऋण उपलब्ध कराना ।
• Watersed (जल संवर्धन)	• जल ग्रहण क्षेत्र प्रबंधन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता का प्रशिक्षण । • जीवकोपार्जन हेतु प्रषिक्षण एवं स्वसहायता समूह का गठन • ग्राम माइक्रो प्लान तैयार करना (डी.पी.आर.)
• Awareness campaign (जागरूकता अभियान)	• संस्था शासन की विभिन्न जनकल्याण कारी योजनाओं को जन जन तक पहंचाने के लिए कलाजत्था, प्रचार प्रसार पेास्टर पांम्पलेट रैली संगोष्ठी एवं विभिन्न तरह के प्रतियोगिताओं का आयोजन कर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार ।
• Education (शिक्षा)	• संस्था शिक्षा के क्षेत्र में बालिका शिक्षा, शिक्षा का अधिकार विषय पर सामुदाय में जागृति एवं प्रशिक्षण । • स्कूल छूट गये या छोड़ दिये गये बच्चों का शाला प्रवेश।
• Self-Employment Training (स्व–रोजगार प्रशिक्षण)	• संस्था नाबार्ड एवं छत्तीसगढ़ खादी ग्रामोउद्योग विभाग तथा रोजगार कार्यलय एवं मार्गदर्शन केन्द्र के सहयोग से स्वरोजगार का कार्य संचालित किया गया ।
• Level of Agriculture Programme (कृषि आधारित कार्यक्रम)	• संस्था नाबार्ड के सहयोग से दुर्ग धमतरी में किसान क्लब का गठन । • उन्नत किस्म के बीज उत्पादन का प्रशिक्षण । • किसान क्लब का भ्रमण । • आत्मा परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण उन्नत किस्म की खेती के लिए प्रोत्साहन । • नाबार्ड के अंतर्गत शीड विपेज की स्थापना।
• Skill Development Programme (कौशल विकास कार्यक्रम)	• संस्था नाबार्ड के साथ एस.डी.पी. कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए कौशल विकास आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया । • महिला बाल विकास के सहयोग से छत्तीसगढ़ महिला कोष के अंतर्गत महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।
• Tribal Development Programme (आदिवासी विकास)	• आदिवासियो के विकास के लिए संस्था द्वारा उन्हे रोजगारमूलक प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।
• Women Empowerment (महिला सशक्तिकरण)	• अंतर्राराष्ट्रीय महिला दिवस • महिला अधिकार • महिला उत्पीड़न पर कार्यशाला
• Environment Preservation (पर्यावरण)	• पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संगोष्ठि रैली एवं पौधरोपण का कार्य ।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

• Cleaning (स्वच्छता)	• संस्था अपने कार्यक्षेत्र के अंतर्गत सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान के परिधि के अंतर्गत सामुदाय को शौचालय का उपयोग एवं सम्पूर्ण स्वच्छता से होने वाले महत्वपूर्ण बदलाव की जानकारी
• Socieo and Economy survey	• डॉ. मनीषा तेलान कन्सलटेन्ट एसीयन डवलपमेंट बैंक द्वारा रोड निर्माण के पूर्व सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण का कार्य किया गया।
• Agricultute Development	• आत्मा परियोजना के अंतर्गत कृषकों को आर्थिक उन्नत के लिए कृषि आधारित प्रशिक्षण का कार्य प्रदान किया गया।
• Bal Sanrakshan	• संस्था महिला एवं बाल विकास से जुड़कर बच्चों के लिए स्पेशल दत्तक ग्रहण योजना संचालित कर रही है।

रणनीति

संस्था अपने विजन एवं मिशन के अनुरूप लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निम्नानुसार रणनीति के द्वारा लक्ष्य को प्राप्त किया जा रहा है।

- **Knowledge Building** जागरूकता निर्माण
- **Capacity Building** क्षमता निर्माण
- **Networking and Advocacy and**
- **Micro Finance & Self-Employment**
- **Community mubilaization**
- **Survey and Need Assessment**

The relationship between the three strategies for achieving vision and mission of social change could be represented diagrammatically below: सामाजिक परिवर्तन के लिए उपरोक्त पांचों रणनीति के माध्यम से अपने विजन एवं मिशन को प्राप्त करने में प्रयास किया जा रहा है।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

स्वास्थ्य (Health) के क्षेत्र में किये गये कार्य

Targated Intervantion Project- Migrant

'छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर' के सहयोग से टी.आई माईग्रेंट प्रोजेक्ट का संचालन विगत 01 फरवरी 2009 से निरंतर चल रहा हैं, संस्था का आज तक बाह्य एजेंसियों द्वारा तीन बार मूल्यांकन किया गया एवं अच्छे कार्यों के आधार पर संस्था को निरंतर किया गया। उक्त परियोजना भिलाई एवं दुर्ग, रसमड़ा क्षेत्र में संचालित है। परियोजना के अंतर्गत प्रवासी मजदूरों जो अपने क्षेत्र से कार्य की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान जाते हैं और परिवार से दूर रहकर कुछ समय के लिए जीवन यापन करते हैं एवं अपने मूल स्थान पर आते और जाते रहते हैं, उन्हे एच.आई.वी./एड्स के बचाव के लिए आवश्यक उपाय, वातावरण निमार्ण कर उन्हे स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायी जाती है। इसके लिए संस्था के मैदानी कार्यकर्ता काम करते हैं। हमारा टार्गेट 15000 है कवरेज 60000 है। संस्था द्वारा उक्त परियोजना में निम्नानुसार कार्य किये जाते हैं :–

1. व्यवहार परिवर्तन, 2. एस.टी.आई. मैनेजमेंट, 3. कंडोम प्रमोशन, 4. कम्युनिटी मोबिलाईजेशन एवं इनाबिलिंग इनवायरमेंट, 5. रेफरल एवं लिंकेज 6. मानिटरिंग एवं इवोलेशन

HIV/AIDS PROGRAMME

Targated Intervantion Project- Truckers

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर नाको के सहयोग से संस्था को लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अंतर्गत लंबी दूरी वाले ट्रक ड्राइवर एवं हेल्पर के लिए ट्रकर्स परियोजना दुर्ग जिले के भिलाई क्षेत्र में ट्रकर्स पांउट में वर्ष 2010 में स्वीकृत की गई है, संस्था का आज तक बाह्य एजेंसियों द्वारा तीन बार मूल्यांकन किया गया एवं अच्छे कार्यों के आधार पर संस्था को निरंतर किया गया। जो लगातार चल रहीं है। उक्त क्षेत्र के अंतर्गत कुल 15000 ट्रकर्स का लक्ष्य रखा गया है एवं 60000 का कवरेज।

प्रतिज्ञा विकास संस्थान द्वारा सन्–2010 से **HIV/AIDS** एवं **STI** (यौन रोग) के बचाव हेतु **NACO & Chhatisgarh State Aids Control Society, Raipur** के सहयोग से 15000 टारगेट(प्रतिवर्ष) एवं लम्बी दुरी पर चलने वाले ट्रकर्स (800किमी.) पर ट्रॉसपोर्ट नगर हथखोज भिलाई में **Targated Intervantion Truckers Project (HIV/AIDS Control Program-NACP-IV)** का संचालन किया जा रहा हैं। जिनमे आई.पी.सी., हेल्थ केम्प, नुक्कड नाटक, फिल्म शो इत्यादि गतिविधियो के माध्यम से ट्रकर्स (हेल्पर एवं ड्राइवर) को **HIV/AIDS** एवं **STI** (यौन रोग) के बचाव हेतु जागरूकता एवं जानकारी प्रदान की जा रही हैं। साथ ही इस हेतु एच.आई.वी. जॉच एवं चिकित्सा सुविधा प्रदान किया जा रहा हैं। साथ ही पी.एल.एच.ए एच.आर.जी. की पूर्ण रूप से चिकित्सा सुविधा एवं समय समय पर उचित देखरेख कर सहयोग प्रदान किया जा रहा हैं।

संस्था उपरोक्त कार्यो को ट्रॉसपोर्ट नगर हथखोज भिलाई, ए.सी.सी.सिमेन्ट कंपनी जामुल, बी.एस.पी. बोरिया गेट भिलाई, जेपी सिमेन्ट कंपनी भिलाई एवं भारत पेट्रोलियम–इंडियन ऑयल डिपो भिलाई क्षेत्र मे सेवा प्रदान कर रही है।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

HIV/AIDS PROGRAMME

LINK WORKER SCHEME

लिंक वर्कर स्कीम छ.ग. राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर की महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय परियोजना है जिसका कियांन्वयन छ.ग.राज्य एड्स नियंत्रण समिति (छ.ग.शासन) रायपुर के सहयोग से 2013 से लगातार संचालित किया जा रहा है। मूल्यांकन उपरांत संस्था की अवधि निरंतर बढ़ाई जा रही है।

उक्त कार्यक्रम का दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन के 25 ग्राम दुर्ग के 25 ग्राम धमधा के 50 ग्राम कुल 1 ग्रामों में एच.आई.वी. के रोकथाम के लिए कार्य किया जा रहा है।

लिंकवर्कर परियोजना के अंतर्गत संस्था द्वारा प्रत्येक 5 ग्राम पर 2 लिंकवर्कर रखे गये थे जिन्हे ग्राम स्तर पर निम्नानुसार कार्यक्रमों से जोड़कर एच.आई.वी.एड्स की रोकथाम के लिए कार्य किया गया है।

लिंकवर्कर स्कीम अंर्तगत संचालित कार्यक्रमों की जानकारी

कमांक	कार्यक्रम	संख्या	रिमार्क
1	कंडोम डिपो की स्थापना	181	कुल 100 ग्राम में
2	ग्राम सूचना केन्द्र की स्थापना	100	कुल 100 ग्राम में
3	कंडोम वितरण	83125	नग कंडोम
4	रेफरल स्लीप वितरण	12559	कुल 100 ग्राम से
5	**HIV** जॉच	10213	
6	स्कूल रैली	30	
7	ग्रामीण रैली	10	
8	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	03	
9	नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम	16	
10	लोकल बाड़ी मीटिंग	332	
11	एडवोकेशी मीटिंग	89	
12	रेड रिबन क्लब की संख्या	100	
13	वालिटियरों की संख्या	1000	

हैल्थ कैम्प

जिला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई के सहयोग से मोबाईल आई.सी.टी.सी. वेन की सहायता से एच.आई.वी. जॉच शिविर लगाया गया। लिंक वर्करों द्वारा ग्राम के संवेदनशील, उच्च जोखिम समूह तथा पलायनकर्ता व्यक्तियों को इस शिविर में एच.आई.वी. जॉच कराया गया। इसमें सर्वप्रथम परामर्शदाता द्वारा हितग्राही के सेक्स व्यवहार के बारें मे जानकारी ली जाती है।जॉच के लिए उपयुक्त पाये जाने पर उनसे सहमति लेकर एच.आई.वी. की जॉच की जाती है पॉजीटिव आने वाले हितग्राही का पुनः काउसलिंक किया जाता है। जॉच के उपरांत पॉजीटिव पाये गये हितग्राहियों को **ART** क्लिनिक से जोड़ा गया।उनके मनोबल को उँचा रखने तथा **HIV** के साथ जीवन जीने (चाहे वह **Pre ART** हो या **On ART**) के दौरान आने वाली व्यवहारिक समस्याओं को साझा करने **CGNP+** के साथ जोड़ा गया जिससे ये संस्था ऐसे हितग्राहियों को शासन द्वारा मिलने वाली सुविधाओं का लाभ दिला सकें। इसी तारतम्य में इस माह भी उनके साथ बैठक का आयोंजन किया गया। नेगेटिव आने वाले हितग्राही का एक बार दोबारा जॉच किया जाता है।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

कार्यक्रमों का फोटोग्राफ्स

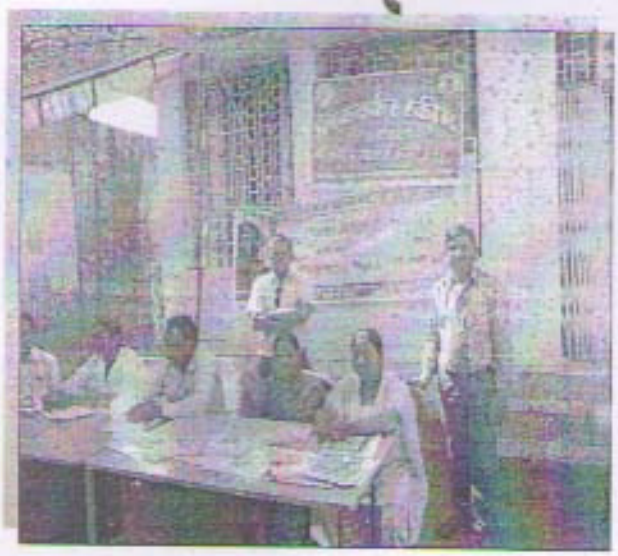

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

अ–क्षय भारत परियोजना

ग्लोबल फण्ड राउंड–9 टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम

अ–क्षय भारत परियोजना– अक्षय भारत परियोजना ग्लोबल फंड राउंड 9 टीबी नियंत्रण कार्यक्रम क कार्यान्वयन कांकेर, धमतरी द्वारा केयर इंडिया छत्तीसगढ़ एवं वर्ल्ड विजन के सहयोग से कांकेर व धमतरी जिला में किया जा रहा है । परियोजना के अंतर्गत क्षय रोग के संदर्भ में मुद्दा आधारित पैरवी, संवाद संप्रेषण, सामाजिक अंकेक्षण के कार्य विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से संपादित कर शासन द्वारा कियान्वित पुनरीक्षण राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम में राहा द्वारा सहयोग प्रदान किया जा रहा है ।

उक्त परियोजना के अंर्तगत की गई गतिविधियां :–

क.	गतिविधियों का विवरण	वार्षिक लक्ष्य	उपलब्धियां जिला अनुसार		कुल उपलब्धि	अपूर्ण कार्य
			कांकेर	धमतरी		
1	ग्राम कल्याण समिति बैठक	180	90	90	180	0
2	समुदाय आधारित संगठनों का एक दिवसीय प्रशिक्षण	4	2	2	4	0
3	समुदाय आधारित संगठनों के साथ जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी/एस टी एल एस की बैठक	4	2	2	4	0
4	ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ जिला क्षय नियंत्रण अधिकार की बैठक	0	0	0	0	0
5	क्षय नियंत्रण फोरम बैठक					
6	आई.सी.टी.सी. – डी.एम.सी. बैठक	24	12	12	12	0
7	कम्यूनिटि वॉलेन्टियर का प्रशिक्षण	0	0	0	0	0
8	अर्ध वार्षिक बैठक	0	0	0	0	0
9	सॉफ्ट स्कील ट्रेनिंग	2	2	2		
10	वर्क प्लेस इन्टरवेन्सन					
11	ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का प्रशिक्षण					
12	विश्व एड्स दिवस	2	1	1	2	0
	वाहन द्वारा प्रचार–प्रसार कुल दिन	0	0	0	0	0
	जागरूकता रैली	2	1	1	2	0
	सामुदायिक बैठक	2	1	1	2	0
	जिला स्तरीय बैठक	2	1	1	2	0
13	विश्व महिला दिवस	2	1	1	2	0
	जागरूकता रैली	2	1	1	2	0
	सामुदायिक बैठक	2	1	1	2	0
14	विश्व क्षय रोग दिवस	2	1	1	2	0
	वाहन द्वारा प्रचार–प्रसार	8	4	4	8	0
	जागरूकता रैली	40	20	20	40	0
	सामुदायिक बैठक	2	1	1	2	0
	रिक्शा चालकों की बैठक	0	0	0	0	0
15	प्रतिज्ञा विकास संस्थान स्टॉफ बैठक	24	12	12	24	

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

संभावित रोगियों की खोज कर रेफर किया गया जिसका विवरण निम्नलिखित है–

क्र.	सूचकांक	जिला का नाम		कुल
		कांकेर	धमतरी	
1	कुल क्षय रोग के संभावित रोगियों की खोज एवं रेफरल	674	507	1181
2	कुल संभावित क्षय रोगी जो डीएमसी गए बलगम जांच हेतु	547	496	1043
3	कुल संभावित क्षय रोगी जिनके बलगम की जांच हुई	547	496	1043
4	कुल रोगी जो पॉजिटिव पाये गये	60	60	120
5	कुल क्षय रोगी जिन्हे डॉट्स से जोड़ा गया	60	60	120

CBO प्रशिक्षण

क्र	कुल सी बी ओ प्रशिक्षण	कुल प्रतिभागी
1	4	120

स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना–

स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत् संस्था छ.ग. के तीन जिला दुर्ग, धमतरी एवं कांकेर जिला में कार्य कर रही है। दुर्ग जिले में क्रमशः गुण्डरदेही, बेरला, पाटन, धमतरी जिला में धमतरी एवं कुरूद तथा कांकेर जिला में कांकेर, चारामा, भानुप्रतापपुर, अंतागढ़, दुर्गकोंदल, कोयलीबेड़ा, नरहरपुर, विकासखंडों में 200 गांवों में 442 स्व–सहायता समूहों के साथ कार्य कर रही है। इन समूहों के साथ संस्था दो तरह से कार्य करती है। प्रथम समूह गठन कर उन्हें प्रथम एवं द्वितीय ग्रेडिंग करवाकर उन्हें बैंक लिंकेज, क्षमता विकास कर आय मूलक गतिविधियों से जोड़ना तथा उन्हें प्रशिक्षण देना हैं ।

जल संवर्धन (WATERSHED) –

संस्था द्वारा जलग्रहण क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता के लिए रायपुर जिले के विकासखंड आरंग में आई.डब्लू.एम.पी. परियोजना तिल्दा 1, तिल्दा 2 के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यकम संचालित किया गया । उक्त प्रशिक्षण में सामुदायिक सहभागिता एवं जिविकोपार्जन संबंधी प्रशिक्षण कुल 19 ग्रामों में दिया गया । साथ ही डी.पी.ए.पी. परियोजना आरंग में भी प्रशिक्षण कार्यकम आयोजित किया गया । उक्त प्रशिक्षण कार्यकम दो चरणों में संपन्न किया गया ।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

अक्षय भारत परियोजना

ममता फॉउन्डेशन टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम

रूपरेखाः– प्रतिज्ञा विकास संस्थान, ममता हेल्थ इन्सटीट्यूट फॉर मदर एण्ड चाइल्ड के सहयोग से अक्षय परियोजना के तहत कबीरधाम छ.ग. के विकासखण्ड बोड़ला में टी.बी. के नियंत्रण के लिए ग्राम स्तर पर बैठक जिसमें जीकेएस/ पीआरआई/ एसएचजी/ वीएचएससी/ अदर सदस्यों के साथ बैठक आयोजित किया जाता है। जिसमें टी.बी. के नियंत्रण हेतु कमेटी में एएससीएम का कार्य हमारी संस्था करती है। संस्था के द्वारा सितम्बर 2014 से लेकर मार्च 2015 अब तक कुल 35 जीकेएस अर्थात् (बैठक), 1850 हाउस होल्ड के घर अक्षय संवाद तथा 29 स्पुटम कलेक्शन एण्ड ट्रांस्पोर्ट किया गया है जिसमें02 पॉजीटीव केश है।

बोड़ला वि.ख. का क्षेत्र काफी बड़ा है इसलिए हमारे क्षेत्र से वि.ख.स. 1 लोहारा के डी.एम.सी. में 20 स्पुटम कलेक्शन एण्ड है जिसमें02 पॉजीटीव है। कुल मिलाकर इस सत्र में 49 व्यक्ति की जांच कराया गया जिसमें 49 व्यक्ति की जांच कराया गया जिसमें 04 मरीज की खोज करके उसका ट्रिटमेंट किया जा रहा है।

हमारे संस्था की गतिविधियां इस प्रकार हैः–

1. जीकेएस ग्राम स्तर पर बैठक :– जिसमें टी.बी.बीमारी के बारे में पूर्ण रूप से ट्रेनिंग दिया जाता है। जिसमें पीआरआई/एसएचजी/वीएचएससी/जीकेएस की सदस्य शामिल होते हैं।
2. अक्षय संवाद :– इसमें प्रत्येक घर–घर जाकर टी.बी.बीमारी की लक्षण बताकर मरीज का चिन्हान्कन करके उसकी जांच कराना ।
3. बलगम संकलन एवं परिवहन :– बलगम संकलन एवं परिवहन जो मरीज डीएमसी (खखार जांच केन्द्र) तक नहीं पहुंचता उसका जांच कराना।

प्रतिज्ञा विकास संस्था 01 टी.ओ. पर कार्य देख रही है जो बोड़ला है इसके अन्तर्गत 03 डीएमसी इस प्रकार है – 1. बोड़ला 2. तरेगांव 3. रेंगाखार 4. इन सभी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा जिला -धमतरी में नाबार्ड द्वारा प्रायोजित वर्ष 2014–15 की गतिविधि

क्र.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम संख्या	वयनित प्रशिक्षार्थी एवं लाभार्थी संख्या
1	स्व.सहायता समूह गठन एवं संवर्धन कार्यक्रम (200 समूह गठन एवं लिंकेज लक्ष्य) 3 वर्ष	SHPI NABARD	154 समूहों का गठन एवं प्रशिक्षण 50 समूहों को बैंक ऋण
2	किसान क्लब गठन एवं संवर्धन का कार्यक्रम	निरंतर	50 क्लबो का गठन जिसमें 800 ग्रामीण कृषक प्रशिक्षित
3	क्लब फेडरेशन का गठन	निरंतर	600 किसानों को किसान महासंघ में जोड़ा गया
4	संयुक्त देयता समूह गठन एवं लिंकेज	निरंतर	127 JLG का गठन एवं 115 को बैंक ऋण सहायता
5	स्वच्छ भारत अभियान, जिला धमतरी एवं बालोद	नाबार्ड	08 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता रैली
6	टी.पी.एम. (तृतीय पक्ष मूल्यांकन कार्यक्रम) जिला धमतरी, दुर्ग, कांकेर, बालोद एवं कबीरधाम	नेबकान्स नाबार्ड एवं उद्यानिकी विभाग	वर्ष 2012–13 एवं 2013–14 में लाभान्वित उद्यानिकी विभाग की योजना से जुड़े हितग्राहियों का मूल्यांकन 2000 कृषकों के बीच

1. स्व सहायता समूह गठन एवं लिंकेज तथा प्रशिक्षण :-

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग के द्वारा जिला धमतरी में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा स्वीकृत 200 एस.एच.जी.(एस.एच.पी.आई.) परियोजना विकासखंड कुरूद/धमतरी में संस्था द्वारा 154 समूहों का गठन कर बैंक में बचत खाता खोलवाया गया है। जिसमें 2402 महिला तथा पुरूष परिवारों को जोड़ा गया। एवं 50 समूहो को कुल 10 बैंको से 21,50,600 रू. राशि ऋण प्रदाय करवाया गया है। जिससे महिला शसक्तिकरण हुआ।

2. गठित समूह एवं प्रशिक्षण लेती स्वयं सहायता समूह के महिला सदस्य

प्रतिज्ञा विकास संस्थाान दुर्ग द्वारा महिला समुहों के साथ किसानों को प्रेरित करने का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य के धमतरी जिले में विगत वर्षो से नाबार्ड द्वारा (किसान क्लब कार्यक्रम) में क्लब गठन एवं मार्गदर्शन

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

जैसी विस्तार सेवाओं को प्रदान करने हेतु सर्वप्रथम (स्वैच्छिक संस्था) प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग को जवाबदारी सौंपी गई जिसका सफल संचालन किया गया । वर्ष 2014–15 में 50 क्लबों का गठन के लक्ष्य के अनुरूप 50 ग्रामों के ग्राम पंचायतों में क्लब गठित कर अलग–अलग बैंको में क्लब बचत खाता खुलवाया गया है, जिसमें अभी तक 800 किसानों को जोड़ा गया है। सभी किसान क्लाबों के माध्यम से उन्नत कृषि, उन्नत फसल पिरिवर्तत दलहन का उत्पादन जिले में पहली बार लिया गया है। जो कि जिले के लिए महत्व पूर्ण सफलता के कार्य में स्थान मिला है। साथ ही किसानों की स्थानीय आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए खाद, बीज, कीटनाशक जैसी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति हेतु 25 ग्रामों के क्लबों को क्रय विक्रय हेतु लाईसेस, उपसंचालक कृषि धमतरी/बालोद एवं राजनांदगांव से दिलवा कर सामुहिक (कृषि सेवा केन्द्र) का संचालन करवाया गया है।

किसान क्लब कार्यक्रम में उपस्थित डी.डी.एम नाबार्ड धमतरी विजय धुरंधर, डी.डी.एम नाबार्ड बालोद दीपीका मायखो बी.सी.शर्मा क्षेत्रीय प्रबंधक सी.जी.बी. आर.ओ. धमतरी ,श्री विजय मिश्रा

3. किसान क्लब संघ पर आधारित कृषक जागरूकता कार्यक्रम :-

संस्था द्वारा गठित जागृति किसान क्लब लोहरसी एवं विकास क्लब को नगरी को वर्ष 2010–11 में नाबार्ड द्वारा राज्य स्तरीय क्लब एवार्ड मुल्यांकन में छ0ग0 राज्य में प्रथम स्थान के एवार्ड से सम्मानित किया गया है। एवं वर्तमान में संस्था द्वारा जिला धमतरी में 80 एवं जिला दुर्ग में 13 किसान क्लाबों का गठन व संचालन, कृषि संगोष्ठी, कृषक दिवस, उन्नत बीज प्रदर्शन भ्रमण जिले के सभी विभागों के साथ समन्वयक कर वैज्ञानिक मुलाकात, पशुचिकित्सा शिविर स्थास्थ्य शिविर, श्रमदान कार्यक्रम, तालाब, स्कुल, आंगनबाड़ी, गांव सफाई अभियान जैसे जनकल्याण कारी कार्यक्रम किसान क्लबों को सुझाव देकर कार्य करवाने गये है। संस्था द्वारा स्थानीय सुविधाओं का दोहन कर नाबार्ड के नियमों को ध्यान में रखते हुए किसान कांति, किसान कार्यशालाओं का जिला स्तर एवं विकासखंण्ड स्तर पर आयोजन दिन प्रतिदिन किया जाता रहा है। छत्तीगढ़ राज्य में सर्वाधिक किसान क्लबों की सक्रियता को देखते हुए संस्था ने एक अनुठे प्रयास को सफलता से निर्वहन करते हुए छत्तीसगढ़ का पहला किसान क्लब संघ का गठन किया गया, जिसमें 22

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

किसान क्लबों के 600 किसानों को संगठित कर एक नया मंच प्रदान किया फेडरेशन का कार्य जिले में संचालित शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को धमतरी जिले में वृहद स्तर पर पहुँचाना होगा। इसी के साथ सामूहिक कृषि सेवा केन्द्र के संचालन में लगने वाले वित्तीय सहायता तथा गुणवत्ता वाले खाद, बीज, कीटनाशक दवाईयों का उपयोग समय में उपलब्ध करवाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

कार्यक्रम में उपस्थित नाबार्ड सी.जी.एम श्री एस.के.बंसल एवं जी.एन.मूर्ति सी.जी.बी.

4. संयुक्त देयता समूह गठन एवं लिंकेज

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा नाबार्ड को एक विशेष परियोजना के तहत भूमिहीन किसानों के लिए प्रस्ताव बनाया गया, जो कि कृषि का अनुभव होते हुए भी बैंक ऋण सहायता से वंचित रह जाते हैं एवं रेगहा कट्टू पद्धति के आधार साहूकार की जमीन पर कार्य करते है। संस्था द्वारा नाबार्ड के स्वीकृति उपरांत 100 समूहो के लक्षित लक्ष्य के उपरांत 127 समूहो का गठन किया गया। जिसमें 115 को बैंक ऋण सहायता से जोड़ा गया, जिसकी कुल राशि 57,00000/– का लोन दिलवाया गया एवं आज भूमिहीन किसान उन्नत उत्पादन के साथ स्वावलंबी बन रहे है तथा 100 प्रतिशत ऋण वापसी की सफलता का पर्याय बनकर जिला धमतरी में बैंको का विश्वास जीता है।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

छ0ग0 राज्य ग्रामीण बैंक से ऋण प्राप्त करते हुए संयुक्त देयता समूह एवं प्रशिक्षण

जनजागरूकता कार्यक्रम में जन सामुदाय की भागीदारी:- मुजगहन, लोहरसी एवं देमार जिला धमतरी जिला बालोद:- कंवर, सरबदा एवं अकलवारा,

नाबार्ड द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत अभियान के ओर से आम जनता का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से एवं सेवी संस्था प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा दिनांक 04/03/2015 को वि.ख. धमतरी जिला–धमतरी के ग्राम मुजगहन में ग्राम पंचायत सरपंच श्री बेदराम साहू एवं समस्त 20 वार्डो के पंच, महिला समूह, 2 किसान क्लब, ग्रामीण बूजुर्ग आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्कूल शासकीय माध्यमिक शाला मुजगहन के छात्र छात्राओं एवं शिक्षक, शिक्षकाओ की उपस्थिति में गांधी चौक से 150 जन समुदाय के साथ रैली निकाली गई.

fo|ky; ifjlj dk lkQ lQkbZ %&

स्वच्छता कार्यक्रम रैली में भाग ले रहे ग्रामीण समस्त लोगों के जन सहयोग से शासकीय माध्यमिक शाला मुजगहन, खेल परिसर स्कूल के आस–पास एवं बाबा झूनादास मंदिर सार्वजनिक स्थल मंदिर परिसर तथा निस्तारी तालाब मुजगहन की बेहतर ढंग से साफ सफाई का कार्य किया गया जिसके लिये संस्था के द्वारा 15 नग झाडू की व्यवस्था भी की गई थी सभी ग्रामीणो ने भी बढ़कर इस कार्यक्रम सहयोग किया साथ ही भविष्य में इस सफाई अभियान को नियमित रखने के लिये किसान क्लबो ने माह में एक दिन स्वच्छता के प्रति कार्य करने की शपथ ली।

LoPNrk ›kiFk dk vk;kstu %&

नाबार्ड के आयोजन में प्रतिज्ञा विकास संस्थान द्वारा 100 लोगों को स्वच्छता शपथ का पाम्पलेट डिस्पले किया गया एवं रैली, साफ सफाई के बाद में स्वच्छता शपथ को माइक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सभी उपस्थित जनों को महात्मा गांधी को सोच पर अधारित स्वच्छता शपथ का वचन कर शपथ दिलाई गई और सभी ने संकल्प भी लिया कि इस संदेश को हम सब 100 लोगों तक पहुचाएंगें, एवं जागरूक करेगें।

आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम का 9 स्टार न्यूज का कवरेज %& नाबार्ड के इस पहल में 9 स्टार न्यूज ने भी इलेक्ट्रानिक मीडिया का बेहतर कवरेज का प्रसारण किया जिसमें दिनांक 04/03/2015 से 05/03/2015 तक उत्कृष्ट प्रसारण दिखाया गया एवं नाबार्ड तथा प्रतिज्ञा विकास संस्थान के द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना एवं उत्कृष्ट तथा जनहितकारी बताया गया।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

स्वच्छता जागरूकता में सम्मिलित ग्रामीण महिलाएं एवं कृषक तथा स्कूली छात्र-छात्राएं

5.

6. टी.पी.एम. (तृतीय पक्ष मूल्यांकन कार्यक्रम) जिला धमतरी, दुर्ग, कांकेर, बालोद एवं कबीरधाम

प्रतिज्ञा विकास संस्थान दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय बैंक नाबार्ड नेबकान्स मुम्बई के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के 05 जिलों में संस्था को उद्यानिकी विभाग से लाभान्वित विभिन्न योजनाओं के तहत कृष्कों का तृतीय पक्ष मूल्यांकन का कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई। संस्था द्वारा 2000 किसानों को लक्षित योजनाओं के तहत मूल्यांकन किया गया, जिसमें शासन को ग्रामीण स्तर पर किसानों का आय एवं आत्मनिर्भरता की वास्तविकता रिर्पोट भेजी गई है। जिसमें संस्था द्वारा अनुभवी इन्वेस्टीगेटर की नियुक्ति की गई थी, जिनकी सहायता से 05 जिलों का कार्य सफलता पूर्वक संपन्न किया गया।

उन्नत कृषि प्रशिक्षण :– संस्था द्वारा नाबार्ड के सहयोग से किसान क्लब का गठन किया गया है। एवं कृषक महिलाओं को उन्नत कृषि के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

सिलाई ,कढ़ाई,बुनाई प्रशिक्षण :– संस्था द्वारा महिलाओं के कौशल उन्नयन के लिए सिलाई,कढ़ाई एवं जरी कार्य का प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें स्वसहायता समूह की महिलाएं स्वयं का रोजगार स्थापित कर रही है। समूहों द्वारा अपने उत्पादों का उपयोग स्कूल आंगनबाड़ी आदि के ड्रेस तैयार करने में उपयोग कर रही है। नाबार्ड द्वारा हॉसपिटल गॉमेंट के लिए भी सिलाई का कार्य एसडीपी योजना के अंतर्गत किया गया है।

मसरूम उत्पादन सह विकय केन्द्र का प्रशिक्षण :– संस्था द्वारा महिलाओं के कौशल उन्नयन के लिए मसरूम उत्पादन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसके लिए मसरूम उगाने की पद्धति, बीज तैयार करना मार्केट आदि के बारे में प्रशिक्षण प्रदान किया गया जिसमें स्वसहायता समूह की महिलाएं स्वयं का रोजगार स्थापित कर रही है।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)

प्रतिज्ञा विकास संस्थान, दुर्ग (छ.ग.)

एकीकृत बाल संरक्षण परियोजना के अंतर्गत

जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तरीय स्टेक होल्डरों का प्रशिक्षण

जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण में एकीकृत बाल संरक्षण योजना के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न अधिनियमों, संवैधानिक बाध्यताओं तथा अंर्तराष्ट्रीय समझौते के विषय पर विस्तार से बताया गया ।

किशोर न्याय अधिनियम 2000, (संशोधित 2006) के अंतर्गत बालकों के देखरेख एवं संरक्षण के अंतर्गत, बच्चा कौन है ? बाल अधिकार क्या है ? पर प्रकाश डाला गया । ऐसे बच्चों के बारे में भी बताया गया जिन्हें सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता है । बालक कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड तथा विशेष पुलिस इकाई जैसी संवैधानिक इकाईयों के बारे में भी विस्तार से बताया गया । एकीकृत बाल संरक्षण योजनाओं के उद्देश्य, राज्य एवं जिला स्तरीय घटक तथा संस्थागत व गैर संस्थागत पारिवारिक देखभाल पर भी विस्तार से चर्चा की गई ।

प्रशिक्षण में भोजन अवकाश के बाद लैंगिंक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के अंतर्गत अपराध के प्रकार तथा उनके लिए दंड, मामले की रिपोर्ट करने की प्रकृया तथा बालकों के कथनों को लिखने से संबंधित धाराओं में दिये गये उपबंध के संबंध में जानकारी संप्रेषित की गई । इसी तरह अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 संशोधित 1986 में ट्रैफिकिंग क्या है ? इसमें स्टेक होल्डर की भूमिका तथा दंड के प्रावधानों को बताया गया ।

बाल संरक्षण में विभिन्न स्टेक होल्डर की भूमिका पर विचार–मंथन किया गया । कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी का क्रम तथा विचार रखने के अवसर भी प्रदान किये गये हैं । कार्यक्रम में विभिन्न स्तरों के प्रशिक्षण में समस्त स्टेक होल्डरों को सम्मिलित किया गया ।

Self Attested

PRESIDENT
PRATIGYA VIKAS SANSTHAN
DURG (C.G.)